



अध्याय- 6

संचार माध्यमों को समझना

Understanding Media



इकाई- 4

संचार माध्यम

Media and Advertisement

**NCERT  
Based**

**CLASS - VIIth**

**(Polity)**



**By : Karan Sir**

इकाई - 4, अध्याय- 6

संचार माध्यमों को समझना

Understanding Media

# Unit - 4 - Media and Advertisement

## Chapter - 6- Understanding Media







## संचार माध्यमों को समझना

टेलीविजन पर आपका पसंदीदा प्रोग्राम कौन-सा है? रेडियो पर आपको क्या सुनना अच्छा लगता है? प्रायः आप कौन-से अखबार या पत्रिकाएँ पढ़ते हैं? क्या आप इंटरनेट पर सर्फिंग करते हैं? आपको उसमें सबसे उपयोगी क्या लगता है? क्या आप उस एक शब्द को जानते हैं, जो प्रायः सामूहिक रूप से रेडियो, टी.वी., अखबार, इंटरनेट और संचार के अन्य साधनों के लिए प्रयोग में लाया जाता है? यह शब्द है 'मीडिया'। इस पाठ में आप मीडिया, यानी संचार माध्यमों के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे। आप जानेंगे कि यह कैसे काम करता है और कैसे हमारे प्रतिदिन के जीवन को प्रभावित करता है। क्या आप किसी एक ऐसी चीज़ को याद कर सकते हैं, जो आपने इस सप्ताह, संचार माध्यमों से सीखी हो?

## Understanding Media

What is your favourite TV programme? What do you like listening to on the radio? Which newspaper or magazine do you usually read? Do you surf the internet and what have you found most useful about it? Did you know that there is one word that is often used to collectively refer to the radio, TV, newspapers, Internet and several other forms of communication. This word is 'media'. In this chapter, you will read more about the media. You will find out what is required to make it work, as well as the ways in which the media affects our daily lives. Can you think of one thing that you have learnt from the media this week?

स्थानीय मेले की दुकान से लेकर टी.वी. के कार्यक्रम तक, जो आप देखते हैं; इन सबका संचार माध्यम यानी मीडिया कहा जा सकता है। मीडिया अंग्रेजी के 'मीडियम' शब्द का बहुवचन है और इसका तात्पर्य उन विभिन्न तरीकों से है, जिनके द्वारा हम समाज में विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। मीडियम का अर्थ है, माध्यम। क्योंकि मीडिया का संदर्भ संचार माध्यमों से है, इसीलिए हर चीज़, जैसे - फ़ोन पर बात करने से लेकर टी.वी. पर शाम के समाचार सुनने तक को मीडिया कहा जा सकता है। टी.वी., रेडियो और अखबार-संचार माध्यमों के ऐसे रूप हैं, जिनकी पहुँच लाखों लोगों तक है, देश और विदेश के जनसमूह तक है, इसीलिए इन्हें जनसंचार माध्यम या 'मास-मीडिया' कहते हैं।

Everything ranging from the stall at the local fair to the programme that you see on TV can be called media. Media is the plural form of the word 'medium' and it describes the various ways through which we communicate in society. Because media refers to all means of communication, everything ranging from a phone call to the evening news on TV can be called media. TV, radio and newspapers are a form of media that reaches millions of people, or the masses, across the country and the world and, thus, they are called mass media.

पृष्ठ 70 पर दिए गए कोलाज में से संचार माध्यमों के छह अलग-अलग प्रकारों को छाँटिए।

Look at the collage on the left and list six various kinds of media that you see.

### संचार माध्यम और तकनीक

आपके लिए संभवतः संचार माध्यमों के बिना अपने जीवन की कल्पना करना भी कठिन होगा। लेकिन केबल टी.वी. और इंटरनेट के विस्तृत उपयोग हाल ही में शुरू हुए हैं। इन्हें प्रचलन में आने अभी बीस वर्ष भी नहीं हुए हैं। जनसंचार माध्यमों के लिए प्रयोग में आने वाली प्रौद्योगिकी निरंतर बदलती रहती है।

मीडिया

### Media and technology

It would probably be difficult for you to imagine your life without the media. But cable television and the widespread use of the Internet is a recent phenomenon. These have been around for less than twenty years. The technology that mass media uses keeps changing.

Mass Media



अखबार, टेलीविजन और रेडियो लाखों लोगों तक पहुँच सकते हैं, क्योंकि इनमें एक विशिष्ट प्रकार की तकनीक का उपयोग किया जाता है। हम अखबारों और पत्रिकाओं की छपे हुए माध्यम के रूप में और टी.वी. तथा रेडियो की इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के रूप में भी चर्चा करते हैं। आपके विचार में समाचारपत्रों को छपे हुए माध्यम क्यों कहा जाता है? आगे पढ़ने पर आपको पता चलेगा कि ये नाम संचार माध्यमों द्वारा प्रयोग में लाई जा रही तकनीक से संबंधित हैं। नीचे दिए गए चित्रों से आपको पता चलेगा कि पिछले सालों में जनसंचार माध्यम के इस्तेमाल में लाई जा रही तकनीक किस प्रकार बदली है और आज भी बदलती जा रही है।

Newspapers, television and radio can reach millions of people because they use certain technologies. We also tend to discuss newspapers and magazines as the print media; and TV and radio as the electronic media. Why do you think newspapers are called print media? As you read further, you will find that this naming is related to the different technologies that these media use. The following photographs will give you a sense of the ways in which technology that mass media uses has changed over the years and continues to change.

Mass Media - TV, Radio

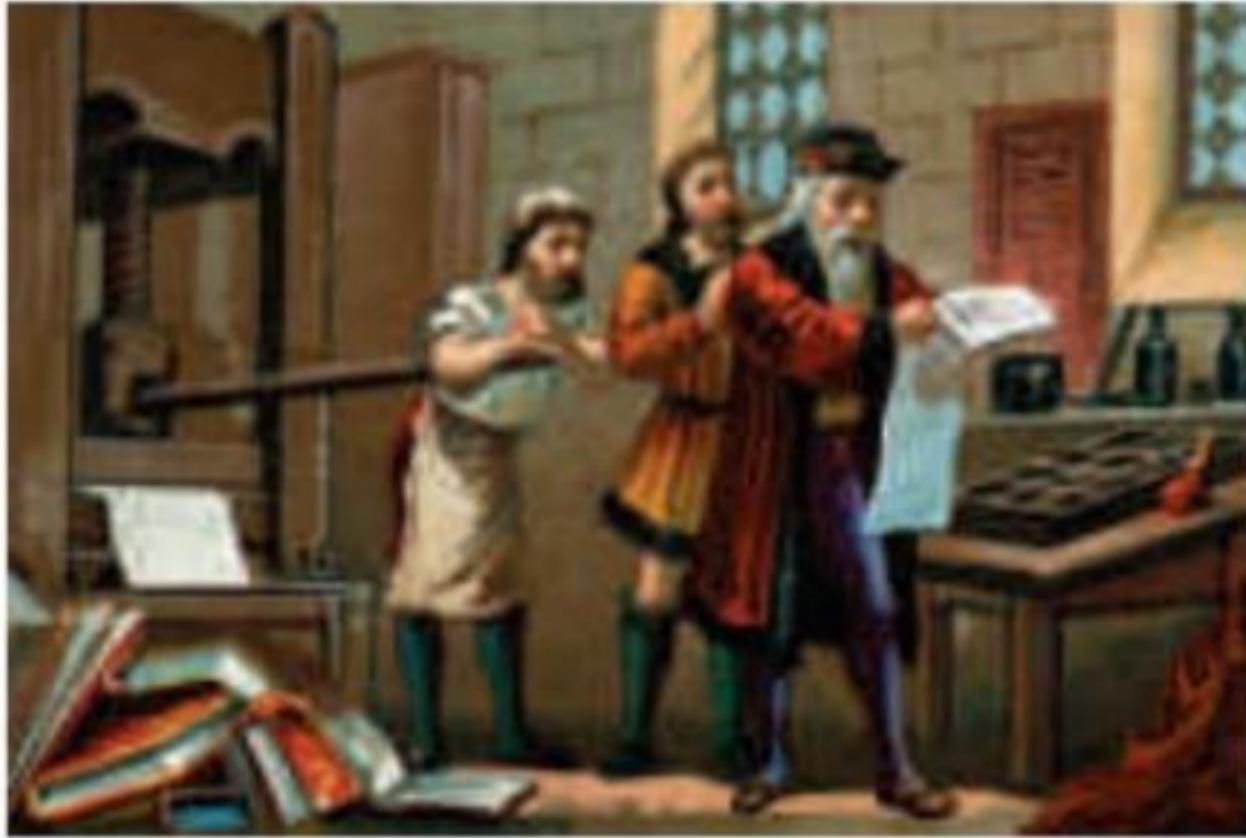
Social Media -> F.B.I.

Print Media -> अखबार

Learn

तकनीक तथा मशीनों को बदल कर अत्याधुनिक बनाने से संचार माध्यमों को अधिक लोगों तक पहुँचने में मदद मिलती है। इससे ध्वनि और चित्रों की गुणवत्ता में सुधार आता है, लेकिन तकनीक इससे भी अधिक कुछ करती है। यह हमारे जीवन के बारे में सोचने के ढंग में परिवर्तन लाती है। उदाहरण के लिए - आज हमारे लिए टेलीविजन के

Changing technology, or machines, and making technology more modern, helps media to reach more people. It also improves the quality of sound and the images that you see. But technology does more than this. It also changes the ways in which we think about our lives. For example, today it is quite difficult for us to think of our lives without television. Television has enabled us to think of ourselves as members of a larger global world. Television images travel huge



एक चित्रकार की नज़र में बाइबल के पहले पन्ने की छपाई करते हुए गुटेनबर्ग



*An artist's impression of Gutenberg printing the first sheet of the Bible.*

अपने परिवार के बड़े लोगों से पूछिए कि जब टी.वी. नहीं था, तब वे रेडियो पर क्या सुनते थे? उनसे पूछिए कि आपके क्षेत्र में पहले-पहल टी.वी. कब आया था? केबल टी.वी. कब शुरू हुआ?

आपके पड़ोस में कितने लोग इंटरनेट का प्रयोग करते हैं?

ऐसी तीन चीजों की सूची बनाइए, जो संसार के किन्हीं अन्य भागों से संबंधित हैं और जिनके बारे में आपने टेलीविजन देखकर जाना है।

Ask older members of your family about what they used to listen to on the radio when there was no TV around. Find out from them when the first TV came to your area. When was cable TV introduced?

How many people in your neighbourhood use the Internet?

List three things that you know about some other part of the world from watching television?

बिना जीवन की कल्पना करना कठिन है। टेलीविजन के कारण हम अपने-आपको विश्व-समाज का एक सदस्य समझने लगे हैं। टेलीविजन में प्रदर्शित चित्र सेटेलाइट और केबल के विस्तृत जाल के माध्यम से अत्यंत सुदूर क्षेत्रों तक पहुँचाए जाते हैं। इसके कारण हम संसार के अन्य भागों के समाचार और मनोरंजक कार्यक्रम देख पाते हैं। आप टी.वी. पर जो कार्टून देखते हैं वे अधिकांशतः जापान या संयुक्त राज्य अमेरिका के होते हैं। अब हम चेन्नई या जम्मू में बैठ कर अमेरिका में फ्लोरिडा के समुद्री तूफान की छवियों को देख सकते हैं। टेलीविजन ने दुनिया को बहुत पास ला दिया है।

जो

distances through satellites and cables. This allows us to view news and entertainment channels from other parts of the world. Most of the cartoons that you see on television are mostly from Japan or the United States. We can now be sitting in Chennai or Jammu and can see images of a storm that has hit the coast of Florida in the United States. Television has brought the world closer to us.

अब



1940 के दशक में इलेक्ट्रॉनिक टाइपराइटर के आ जाने से पत्रकारिता की दुनिया में एक बड़ा बदलाव आया।



*With electronic typewriters, journalism underwent a sea-change in the 1940s.*



(यह यंत्र 'टेलीवाइजर', टेलीविजन का प्रारंभिक रूप था। अपने इस आविष्कार के सामने बैठे हैं – जॉन एल बैर्ड। इस यंत्र के द्वारा उन्होंने रॉयल इंस्टीट्यूट के समक्ष अपने आविष्कार का प्रदर्शन किया था।



*John L. Baird sits in front of the apparatus with which he demonstrated to the Royal Institute, his invention, the 'televisor', an early television.*

अपने प्रिय टी.वी. कार्यक्रम के दौरान विज्ञापित होने वाली तीन चीजों की सूची बनाइए।

एक समाचारपत्र लीजिए और उसमें दिए गए विज्ञापनों की संख्या गिनिए। कुछ लोग कहते हैं कि समाचारपत्रों में बहुत अधिक विज्ञापन होते हैं। क्या आप सोचते हैं कि यह बात सही है? यदि हाँ, तो क्यों?

Can you list three different products that are advertised during your favourite TV programme?

Take a newspaper and count the number of advertisements in it. Some people say that newspapers have too many advertisements. Do you think this is true and why?

## संचार माध्यम और धन

जनसंचार द्वारा उपयोग में लायी जाने वाली विभिन्न तकनीकें अत्यंत खर्चीली हैं। ज़रा टी.वी. स्टूडियो के बारे में सोचिए, जहाँ पर समाचारवाचक बैठता है। इसमें लाइट, कैमरे, ध्वनि रिकॉर्ड करने के यंत्र, संप्रेषण के लिए सेटेलाइट आदि हैं। इन सभी का मूल्य बहुत अधिक है।

## Media and money

The different technologies that mass media use are expensive. Just think about the TV studio in which the newsreader sits – it has lights, cameras, sound recorders, transmission satellites, etc., all of which cost a lot of money.

समाचार के स्टूडियो में केवल समाचारवाचक को ही वेतन नहीं दिया जाता, बल्कि और बहुत सारे लोग हैं जो प्रसारण में सहायक होते हैं। इसमें वे लोग सम्मिलित हैं, जो कैमरे व प्रकाश की व्यवस्था करते हैं। जैसाकि आपने अभी पढ़ा, जनसंचार माध्यम निरंतर बदलते रहते हैं। इसीलिए नवीनतम तकनीक जुटाने पर भी बहुत धन व्यय होता है। इन खर्चों के कारण जनसंचार माध्यमों को अपना काम करने के लिए बहुत अधिक धन की आवश्यकता होती है। परिणामतः अधिकांश टी.वी. चैनल और समाचारपत्र किसी बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान का भाग होते हैं।

In a news studio, it is not only the newsreader who needs to be paid but also a number of other people who help put the broadcast together. This includes those who look after the cameras and lights. Also, as you read earlier the technologies that mass media use keep changing and so a lot of money is spent on getting the latest technology. Due to these costs, the mass media needs a great deal of money to do its work. As a result, most television channels and newspapers are part of big business houses.

जनसंचार माध्यम लगातार धन कमाने के विभिन्न तरीकों के बारे में सोचते रहते हैं। एक तरीका जिसके द्वारा जनसंचार माध्यम धन अर्जित करते हैं, विभिन्न वस्तुओं के विज्ञापन का है जैसे - कारें, चॉकलेट, कपड़े, मोबाइलफोन, आदि। आपने ध्यान दिया होगा कि अपने प्रिय टेलीविजन कार्यक्रम को देखते हुए आपको ऐसे अनेक विज्ञापन देखने पड़ते हैं। टेलीविजन पर क्रिकेट का मैच देखते हुए भी हर ओवर के बाद बार-बार वही विज्ञापन दिखाए जाते हैं। इस तरह प्रायः बार-बार आप उन्हीं छवियों को देखते हैं। जैसाकि आप आगे

Mass media is constantly thinking of ways to make money. One way in which the mass media earns money is by advertising different things like cars, chocolates, clothes, mobile phones, etc. You must have noticed the number of advertisements that you have to see while watching your favourite television show. While watching a cricket match on TV, the same advertisements are shown repeatedly between each over and so you are often watching the same image over and over again. As you will read in the following chapter, advertisements are repeated in the hope that you will go out and buy what is advertised.



✓ med.

के अध्याय में पढ़ेंगे, विज्ञापनों की बार-बार आवृत्ति इस आशा से की जाती है कि आप बाहर जाकर विज्ञापित वस्तु खरीदेंगे।

एक टी.वी. चैनल में दस सेकेंड के लिए विज्ञापन देने का मूल्य उसकी लोकप्रियता और समय के आधार पर 1,000 रुपए से 1,00,000 रुपए के बीच पड़ता है।

*The cost to advertise on a news channel varies from Rs 500 to Rs 8,000 per 10 seconds depending on the popularity of the channel.*

## संचार माध्यम और लोकतंत्र

43

लोकतंत्र में देश और संसार के बारे में समाचार देने और उनमें होने वाली घटनाओं पर चर्चा करने में संचार माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, संचार माध्यमों से नागरिक जान सकते हैं कि सरकार किस प्रकार काम कर रही है। यदि लोग चाहें, तो इन समाचारों के आधार पर कार्रवाई भी कर सकते हैं। ऐसा वे संबंधित मंत्री को पत्र लिखकर, सार्वजनिक विरोध आयोजित करके, हस्ताक्षर अभियान आदि चलाकर सरकार से पुनः उसके कार्यक्रम पर विचार करने का आग्रह करके कर सकते हैं।

जानकारी देने के संबंध में संचार माध्यम की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए यह आवश्यक है कि जानकारी संतुलित होनी चाहिए। आइए, अगले पृष्ठ पर दिए गए एक ही समाचार के दो भिन्न रूपों को पढ़ कर समझें कि संतुलित संचार माध्यम का क्या तात्पर्य है?

## Media and democracy

In a democracy, the media plays a very important role in providing news and discussing events taking place in the country and the world. It is on the basis of this information that citizens can, for example, learn how government works. And often, if they wish to, they can take action on the basis of these news stories. Some of the ways in which they can do this is by writing letters to the concerned minister, organising a public protest, starting a signature campaign, asking the government to rethink its programme, etc.

Given the role that the media plays in providing information, it is important that the information be balanced. Let us understand what we mean by a balanced media report by reading two versions of the same news event given on the next page.



अलग-अलग पाठकों की पसंद को देखते हुए छपाई वाले माध्यम कई तरह की जानकारियाँ उपलब्ध कराते हैं।

### न्यूज़ ऑफ़ इंडिया की रिपोर्ट

प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों पर वज्रपात। विरोधियों द्वारा चक्काजाम, यातायात रुका

राधिका मलिक।आई.एन.एन.

कारखानों के मालिकों और मजदूरों के हिंसात्मक विरोध ने आज शहर की गतिविधियों को रोक कर रख दिया। सड़कों पर वाहनों के विशाल जाम लगने के कारण लोग समय से अपने काम पर नहीं पहुँच सके। कारखाना मालिक और मजदूर, सरकार के प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को बंद करने के निर्णय का विरोध कर रहे हैं। यद्यपि सरकार ने यह निर्णय कुछ जल्दबाजी में लिया है, परंतु विरोधियों को काफ़ी समय से यह पता था कि उनकी इकाइयाँ गैरकानूनी हैं। इन

इकाइयों के बंद होने से शहर में प्रदूषण का स्तर काफ़ी कम हो जाएगा। शहर के गणमान्य नागरिक श्री जैन ने कहा, "हमारा शहर, भारत के नए व्यावसायिक केंद्र के रूप में स्थापित होता जा रहा है। इसके साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि शहर साफ़ और हरा-भरा रहे। प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों को हटाया जाना चाहिए। विरोध करने के स्थान पर कारखानों के मालिकों व कामगारों को पुनर्स्थापन का प्रस्ताव स्वीकार कर लेना चाहिए।"

### इंडिया डेली की रिपोर्ट

कारखानों के बंद होने से घोर अशांति

डेली न्यूज़ सर्विस ■

शहर के आवासीय क्षेत्र में एक लाख कारखानों का बंद होना एक गंभीर समस्या का रूप ले सकता है। सोमवार को हजारों कारखाना मालिक व कामगार, कारखाना बंदी पर अपना कड़ा विरोध जताने के लिए सड़कों पर उतर आए। उन्होंने कहा कि इससे उनकी रोज़ी-रोटी छिन जाएगी। उनका कहना है कि गलती नगर निगम की है, क्योंकि वह आवासीय क्षेत्रों में लगातार नए कारखाने लगाने के लायसेंस देता रहा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पुनर्स्थापन के लिए पर्याप्त प्रयत्न नहीं किए गए। कारखानों के मालिकों व मजदूरों ने कारखाने 'बंद' करवाने के विरोध में शहर में एक दिन का 'बंद' प्रस्तावित किया है। एक कारखाने के मालिक श्री शर्मा ने कहा, "सरकार कहती है कि उसने हमारे पुनर्स्थापन के लिए बहुत कार्य किया है, लेकिन जिस प्रकार के क्षेत्र वह हमें दे रही है, वहाँ किसी प्रकार की सुविधाएँ नहीं हैं और पिछले पाँच वर्षों में वहाँ कोई विकास कार्य नहीं हुआ है।"

News of India Report

### Crackdown on polluting factories Protestors block roads and disrupt traffic

Radhika Malik | INN

Violent protests by owners and workers brought the city to a standstill today. People getting to work could not do so on time because of huge traffic jams. The owners and workers are protesting the government's decision to close down polluting factory units. Although the government did take this decision rather hastily, the protestors have known for quite some time that their units are not legal.

Moreover the levels of pollution in the city will be greatly reduced by this closure. Mr. Jain a well-known figure in the city said, "With our city gradually becoming India's new business hub, it is important that it be a clean and green city. Polluting factories should be moved. The factory owners and workers should accept the relocation being offered by the government instead of protesting."

*Handwritten notes:*  
1. EVMS  
15/10

India Daily Report

### Closure of factories causes unrest

Daily News Service

The closure of one lakh factories in the city's residential areas is likely to become a serious issue. On Monday, thousands of factory owners and workers took to the streets to strongly protest this closure. They said that their livelihoods would be lost. They say that the fault lies with the municipal corporation because it continued to issue licenses for new factories to be set up in residential areas. They also say that there were no adequate relocation efforts. The owners and workers plan a one-day city bandh to protest against this closure. Mr. Sharma, one of the factory owners said, "The government says that it has done a lot to relocate us. But the areas they have sent us to have no facilities and have not been developed for the last five years."

*Handwritten notes:*  
X BTP  
X BVP

क्या दोनों समाचारपत्रों में दिया गया उपर्युक्त विवरण एक जैसा है? आपके विचार से इनमें क्या-क्या समानताएँ और अंतर हैं?

यदि आप न्यूज़ ऑफ़ इंडिया में दिया गया विवरण पढ़ेंगे तो इस मुद्दे के बारे में क्या सोचेंगे?

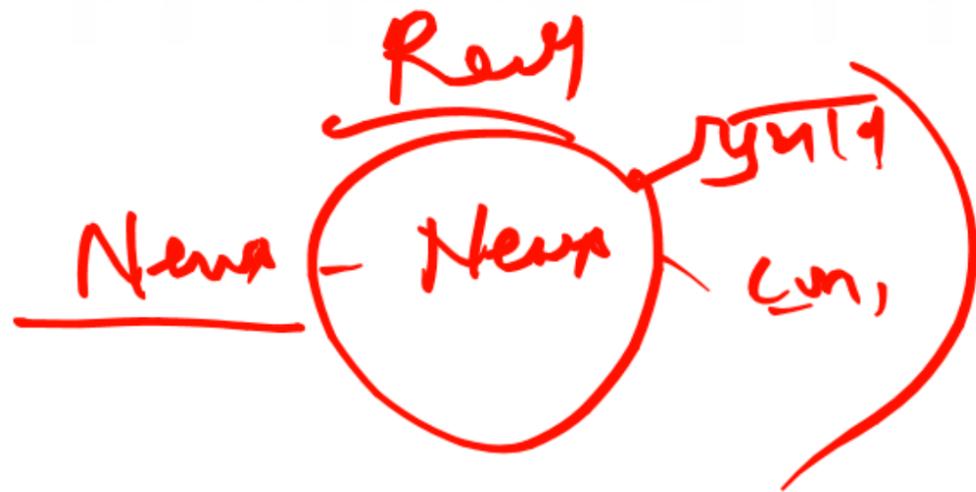
Are the above stories in the two newspapers similar? And if not, why not? What, in your view, are the similarities and the differences?

If you read the story in the *News of India*, what would you think about the issue?

वास्तविकता तो यह है कि यदि आप इनमें से केवल एक समाचारपत्र पढ़ेंगे तो विषय का एक ही पक्ष जान पाएँगे। यदि आपने न्यूज़ ऑफ़ इंडिया पढ़ा होता, तो आपको विरोधियों की बातें व्यर्थ उत्पात लगतीं। उनका यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करना और अपने कारखानों से शहर में प्रदूषण फैलाते रहना, आपके मन में उनकी बुरी छवि अंकित करता। दूसरी ओर यदि आपने इंडिया डेली पढ़ा होता, तो आप जानते कि कारखाने बंद होने पर बहुत-से लोग अपनी रोज़ी-रोटी खो देंगे क्योंकि पुनर्स्थापन के प्रयास अपर्याप्त हैं। इन दोनों में से एक भी विवरण संतुलित नहीं है। ~~संतुलित~~ रिपोर्ट वह होती है, जिसमें किसी भी विषय पर हर दृष्टिकोण से चर्चा की जाती है, फिर पाठकों को स्वयं अपनी राय बनाने के लिए स्वतंत्र छोड़ दिया जाता है।

The fact is that if you had read either newspaper you would only know one side of the story. If you had read the *News of India*, you would most likely think of the protestors as a nuisance. Their disrupting traffic and continually polluting the city with their factories leaves you with a bad impression about them. But on the other hand, if you had read the story in the *India Daily*, you would know that the protests are because a lot of livelihoods will be lost if the factories close because the relocation efforts have not been adequate. Neither of these stories is a balanced report. A balanced report is one that discusses all points of view of a particular story and then leaves it to the readers to make up their minds.

संतुलित रिपोर्ट लिख पाना, संचार माध्यमों के स्वतंत्र होने पर निर्भर करता है। स्वतंत्र संचार माध्यमों से तात्पर्य यह है कि उनके द्वारा दिए जाने वाले समाचारों को कोई भी नियंत्रित या प्रभावित न करे। समाचार का विवरण देने में कोई भी उन्हें निर्देशित न करे कि उसमें क्या सम्मिलित किया जाना है और क्या नहीं। लोकतंत्र में स्वतंत्र संचार माध्यमों का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैसाकि आपने



Writing a balanced report, however, depends on the media being independent. An independent media means that no one should control and influence its coverage of news. No one should tell the media what



CAA

ऊपर पढ़ा, संचार माध्यमों द्वारा पढ़ाने की गई जानकारी के आधार पर ही हम नागरिकों के रूप में कार्रवाई करते हैं इसीलिए यह आवश्यक है कि यह जानकारी विश्वसनीय और तटस्थ हो।

तथ्य तो यह है कि संचार माध्यम स्वतंत्र नहीं हैं। इसके मुख्यतः दो कारण हैं। पहला कारण है सरकार का उन पर नियंत्रण। जब सरकार, समाचार के किसी अंश, फ़िल्म के किसी दृश्य या गीत की किसी अभिव्यक्ति को जनसमुदाय तक पहुँचने से प्रतिबंधित करती है तो इसे सेंसरशिप कहा जाता है। भारत के इतिहास में ऐसे समय भी आए हैं जब सरकार ने संचार माध्यमों के ऊपर सेंसर लगाया। इसमें सबसे बुरा समय 1975-77 तक, आपातकाल का था।

↓ 1975-77 ✓

can be included and what should not be included in a news story. An independent media is important in a democracy. As you read above, it is on the basis of the information that the media provides that we take action as citizens, so it is important that this information is reliable and not biased.

However, the reality is that media is far from independent. This is mainly because of two reasons. The first is the control that the government has on the media. When the government prevents either a news item, or scenes from a movie, or the lyrics of a song from being shared with the larger public, this is referred to as  **censorship** . There have been periods in Indian history when the government censored the media. The worst of these was the Emergency between 1975-1977.

सरकार यद्यपि फ़िल्मों पर तो निरंतर सेंसर रखती है, लेकिन वह संचार माध्यमों से दिखाए गए समाचारों में पूरी तरह ऐसा नहीं करती है। सरकार द्वारा सेंसरशिप न होने पर भी आजकल अधिकांश समाचारपत्र संतुलित विवरण देने में असफल रहते हैं। इसके कारण बहुत जटिल हैं। संचार माध्यमों के विषय में शोध करने वाले लोगों का कहना है कि ऐसा इसीलिए है, क्योंकि संचार माध्यमों पर व्यापारिक प्रतिष्ठानों का नियंत्रण है। कई बार किसी विवरण के एक पक्ष पर ही ध्यान केंद्रित कराना इनके हित में होता है। संचार माध्यमों द्वारा निरंतर धन की आवश्यकता और उसके लिए विज्ञापनों पर निर्भरता के कारण भी उन लोगों के विरोध में लिखना कठिन हो जाता है, जो विज्ञापन देते हैं। इसीलिए व्यापार से गहन जुड़ाव होने के कारण अब संचार माध्यमों को स्वतंत्र नहीं समझा जाता।

While the government does continue to censor films, it does not really censor the media's coverage of news. Despite the absence of censorship by the government, most newspapers nowadays still fail to provide a balanced story. The reasons for this are complicated. Persons who research the media have said that this happens because business houses control the media. At times, it is in the interest of these businesses to focus on only one side of the story. Media's continual need for money and its links to advertising means that it becomes difficult for media to be reporting against people who give them advertisements. Media is, thus, no longer considered independent because of its close links to business.

इसके अतिरिक्त संचार माध्यम किसी मुद्दे के खास पक्ष पर इसीलिए भी ध्यान केंद्रित करते हैं क्योंकि उसे विश्वास है कि इससे विवरण रुचिकर हो जाएगा। इसी तरह यदि वे किसी विषय पर जन समर्थन बढ़ाना चाहते हैं, तो भी मुद्दे के एक पक्ष पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं।

जगता

Besides the above, the media also tends to focus on a particular aspect of a story because they believe this makes the story interesting. Also, if they want to increase public support for an issue, they often do this by focusing on one side of a story.

वाले कार्यक्रम जैसे - बिग बॉस, समाचार, खेल और कार्टून, आदि। हर कार्यक्रम के पहले, बीच में और अंत में विज्ञापन होते हैं, क्योंकि टी.वी. का समय बहुत महंगा होता है। इसीलिए केवल वे ही कार्यक्रम दिखाए जाते हैं, जो अधिकतम दर्शकों को आकर्षित कर सकें। आपके विचार से ऐसे कौन-से कार्यक्रम हो सकते हैं? उन चीजों के बारे में सोचिए जो टी.वी. में दिखाई जाती हैं या नहीं दिखाई जातीं। टी.वी. हमें अमीरों के जीवन के बारे में अधिक दिखाता है या गरीबों के?



हमें यह सोचने की जरूरत है कि टी.वी. का हम पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह दुनिया के बारे में हमारे दृष्टिकोण, हमारे विश्वासों, हमारे रुख और मूल्यों को कैसे बनाता है। हमें यह समझने की जरूरत है कि यह हमें संसार का अधरा दृश्य ही दिखाता है। अपनी पसंद के कार्यक्रमों का आनंद लेते हुए भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि टी.वी. के पर्दे से हटकर भी एक उत्सुकता भरा बड़ा संसार है। दुनिया में ऐसा बहुत कुछ हो रहा है, जिसकी ओर टी.वी. ध्यान नहीं देता है। फ़िल्म स्टारों, सुप्रसिद्ध व्यक्तियों और धनाढ्य जीवन शैलियों से परे भी ऐसा संसार है, जहाँ हम सबको पहुँचना चाहिए और विभिन्न प्रकार से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करनी चाहिए। हमें ऐसा सजग दर्शक बनना चाहिए, जो कार्यक्रमों का आनंद भी लें और देखे गए और सुने गए प्रसंगों पर प्रश्न भी उठाएँ।

TV - मजा आता है



**What does TV do to us and what can we do with TV?**

In many of our homes, TV is on a lot of the time. In many ways, a lot of our impressions about the world around us are formed by what we see on TV: it is like a 'window on the world'. How do you think it influences us? TV has different types of programmes, soap operas, like *Saas Bhi Kabhi Bahu Thi*, game shows, like *Kaun Banega Crorepati*, reality TV shows like *Big Boss*, news, sports and cartoons. Before, in between and after each programme are advertisements. Since TV time costs so much money, only those programmes that can attract the maximum number of viewers are shown. Can you think of what such programmes might be? Think of what are the kinds of things that TV shows and what it does not. Does it show us more about the lives of the rich or the poor?



We need to think about what TV does to us, how it shapes our views of the world, our beliefs, attitudes and values. We need to realise that it gives us a partial view of the world. While we enjoy our favourite programmes, we should always be aware of the large exciting world beyond our TV screens. There is so much happening out there that TV ignores. A world beyond film stars, celebrities and rich lifestyles, a world that all of us need to reach out to and respond to in various ways. We need to be active viewers, who question whatever we see and hear, while we may enjoy it too!

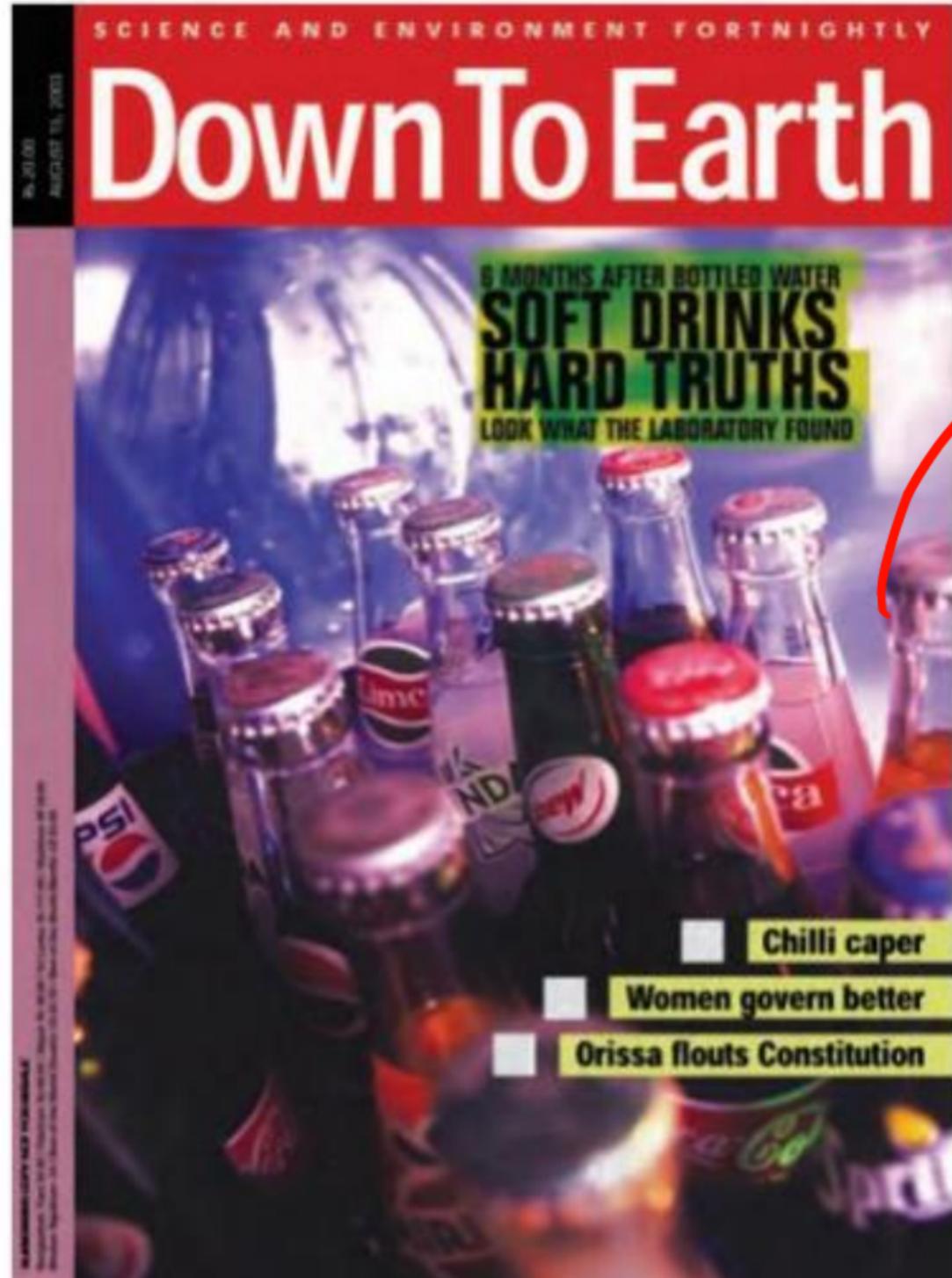
## मसौदा तय किया जाना

किन घटनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाए, इसमें भी संचार माध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है और इसी के आधार पर वह तय कर देते हैं कि क्या समाचार में दिए जाने योग्य है। उदाहरण के लिए— आपके विद्यालय के वार्षिकोत्सव की खबर शायद समाचार में दिए जाने योग्य नहीं होगी, लेकिन यदि कोई प्रसिद्ध अभिनेता उसमें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित हो, तो संचार माध्यमों की रुचि इसे समाचारों में सम्मिलित करने में हो सकती है। कुछ खास विषयों पर ध्यान केंद्रित करके संचार माध्यम हमारे विचारों, भावनाओं और कार्यों को प्रभावित करता है और हमारा ध्यान उन मुद्दों की ओर आकर्षित करते हैं। हमारे जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने और हमारे विचारों को निर्मित करने में मुख्य भूमिका होने के कारण ही प्रायः यह कहा जाता है कि संचार माध्यम ही हमारा मसौदा या एजेंडा तय करते हैं।

## Setting agendas

The media also plays an important role in deciding what stories to focus on, and therefore, decides on what is newsworthy. For example, the annual function at your school is unlikely to make the news. But if a famous actor is invited as the Chief Guest, then the media might be interested in covering it. By focusing on particular issues, the media influences our thoughts, feelings and actions, and brings those issues to our attention. Due to the significant influence it plays in our lives and in shaping our thoughts, it is commonly said that the media 'sets the agenda'.

*Review*



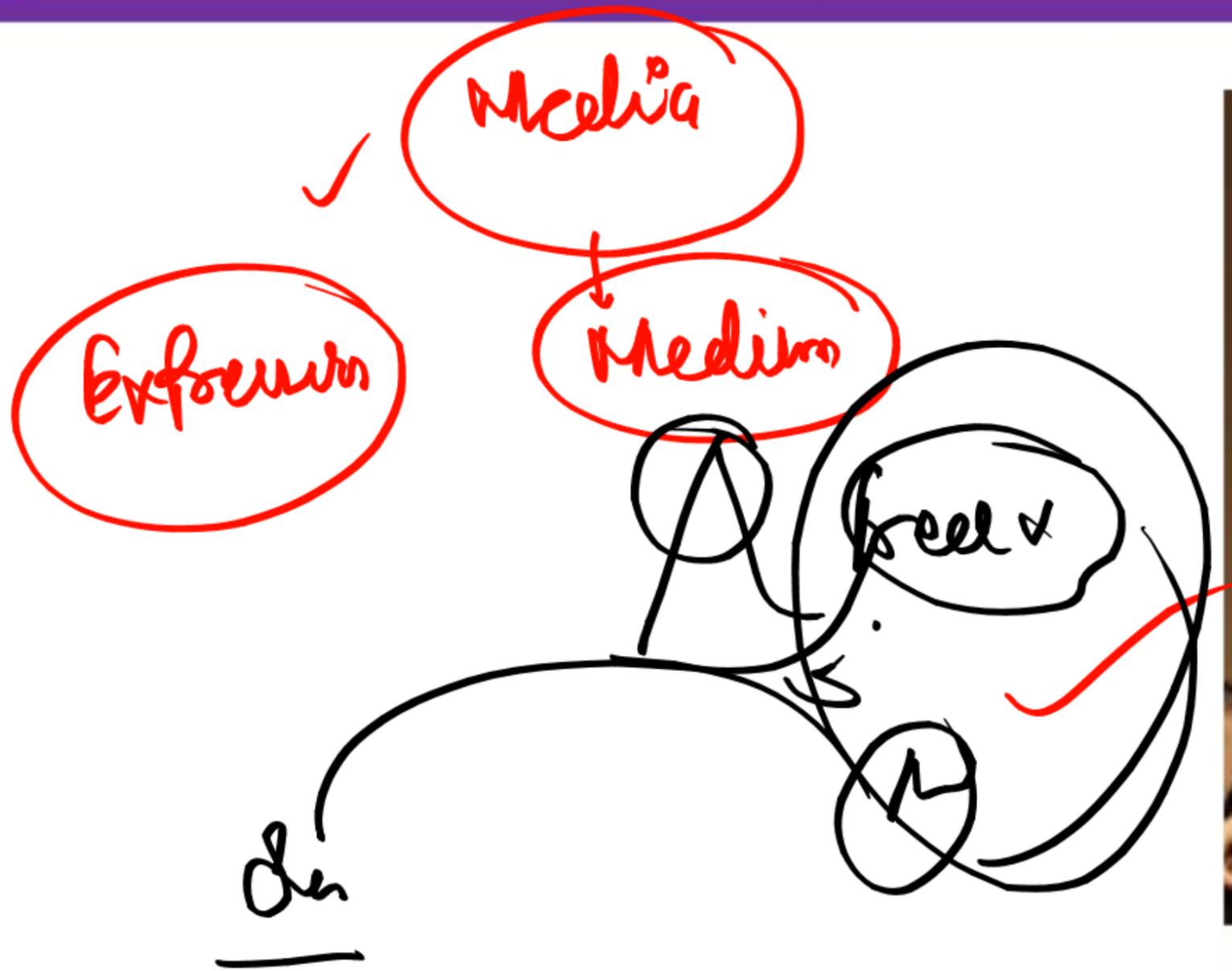
*only*

अभी हाल ही में संचार माध्यमों ने कोला पेयों में कीटनाशकों का स्तर खतरे के स्तर तक बढ़े हुए होने की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया था। उन्होंने कीटनाशकों के अत्यधिक मात्रा में होने की रिपोर्ट प्रकाशित की थी और इस तरह हमें कोला पेयों को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता व सुरक्षा मापदंडों के अनुसार नियमित रूप से नियंत्रित करने की आवश्यकता महसूस कराई। उन्होंने सरकार के दबाव के बावजूद निडरतापूर्वक घोषणा की कि कोला पीना सुरक्षित नहीं है। इस वृत्तांत को पेश करके संचार माध्यमों ने निश्चित रूप से हमारा ध्यान ऐसे विषय पर केंद्रित करने की कोशिश की है, जिस पर यदि उन की रिपोर्ट न आती, तो हमारा ध्यान भी न जाता।

Very recently, the media drew our attention to alarming levels of pesticides in cola drinks. They **published** reports that indicated the high level of pesticides and, thus, made us aware of the need to regularly monitor these colas according to international quality and safety standards. They did this despite the government's resistance by boldly declaring that colas were unsafe. In covering this story, the media positively helped us focus on an issue that affects our lives and one that we might not even have been aware of it had it not been for media reporting.

कई बार ऐसी घटनाएँ हो जाती हैं, जब संचार माध्यम उन विषयों पर हमारा ध्यान केंद्रित कराने में असफल रहते हैं, जो हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए- पीने का पानी हमारे देश की एक बड़ी समस्या है। प्रतिवर्ष हजारों लोग कष्ट सहते हैं और मर जाते हैं क्योंकि उन्हें पीने के लिए सुरक्षित पानी नहीं मिलता, फिर भी संचार माध्यम हमें इस विषय पर बहुत कम ही चर्चा करते हुए दिखाते हैं। एक सुविख्यात भारतीय पत्रकार ने लिखा है कि कैसे वस्त्रों को नया रूपाकार देने वाले डिजाइनरों ने 'फैशन वीक' में धनवानों के समक्ष अपने नए वस्त्र प्रदर्शित करके सभी समाचारपत्रों के मुख्य पृष्ठ पर स्थान पा लिया, जबकि उसी सप्ताह मुंबई में अनेक झोपड़पट्टियाँ को गिरा कर दिया गया पर किसी ने इस पर ज़रा सा भी ध्यान नहीं दिया।

There are several instances when the media fails to focus on issues that are significant in our lives. For example, drinking water is a major problem in the country. Every year, thousands of people suffer and die because they do not get safe drinking water. However, we seldom find the media discussing this issue. A well-known Indian journalist wrote of how the Fashion Week, in which clothes designers show their new creations to rich people, formed the front page headlines of all the newspapers while several slums were being demolished in Mumbai, the very same week, and this was not even noticed!



*Fashion shows are very popular with the media.*

संचार माध्यमों में फैशन शो बहुत लोकप्रिय हुए हैं

संचार माध्यमों के द्वारा एजेंडा तय करते हुए झोपड़पट्टियों के स्थान पर फैशन वीक की खबर देने से क्या नतीजा निकलता है?

क्या आप किसी ऐसे विषय के बारे में जानते हैं जो आपको इसलिए महत्वपूर्ण नहीं लगा क्योंकि संचार माध्यमों में उसे दिखाया नहीं गया था?

What is the consequence of the media 'setting the agenda' by reporting on the Fashion Week rather than the slum demolitions?

Can you think of an issue that does not seem important to you because it is never featured in the media?

## स्थानीय संचार माध्यम *~ for*

यह जान कर कि संचार माध्यम उन छोटे-छोटे मुद्दों में रुचि नहीं लेंगे, जिनका संबंध साधारण लोगों और उनके जीवन से है इसीलिए कई स्थानीय समूह स्वयं अपना संचार माध्यम प्रारंभ करने के लिए आगे आए हैं। कई लोग सामूहिक रेडियो द्वारा किसानों को विभिन्न फसलों के मूल्य के बारे में बताते हैं और उन्हें बीज तथा उर्वरकों के प्रयोग के बारे में परामर्श देते हैं। कुछ अन्य लोग काफ़ी सस्त और आसानी से मिल जाने वाले वीडियो कैमरे इस्तेमाल करके विभिन्न निर्धन समाजों के वास्तविक जीवन की स्थितियों पर डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म बनाते हैं और कभी-कभी तो इन गरीब लोगों को ही फ़िल्म बनाने के लिए कैमरे और तकनीकी ज्ञान का प्रशिक्षण भी देते हैं।



दूसरा उदाहरण खबर लहरिया नामक एक समाचारपत्र का है, जो उत्तर प्रदेश के चित्रकूट ज़िले की आठ दलित महिलाओं द्वारा हर पंद्रह दिन में निकाला जाता है। स्थानीय बुंदेली भाषा में लिखित इस आठ पृष्ठ के समाचारपत्र में दलितों से संबंधित विषयों, स्त्रियों के प्रति हिंसा और राजनैतिक भ्रष्टाचार से संबंधित रिपोर्ट होती हैं। इस समाचारपत्र के पाठक हैं - किसान, दुकानदार, पंचायत के सदस्य, स्कूल के शिक्षक और वे महिलाएँ जिन्होंने अभी हाल ही में पढ़ना-लिखना सीखा है।

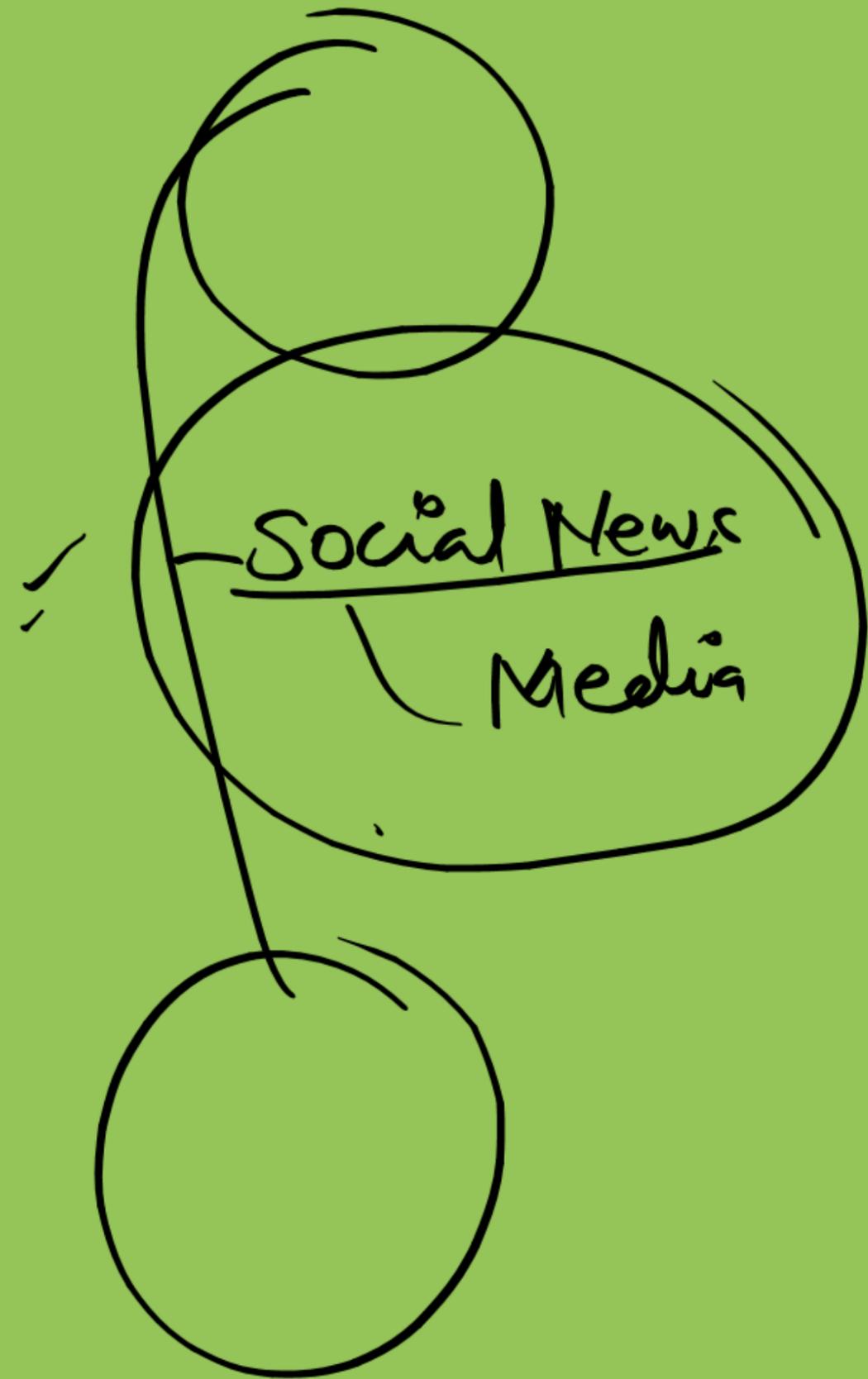
Group

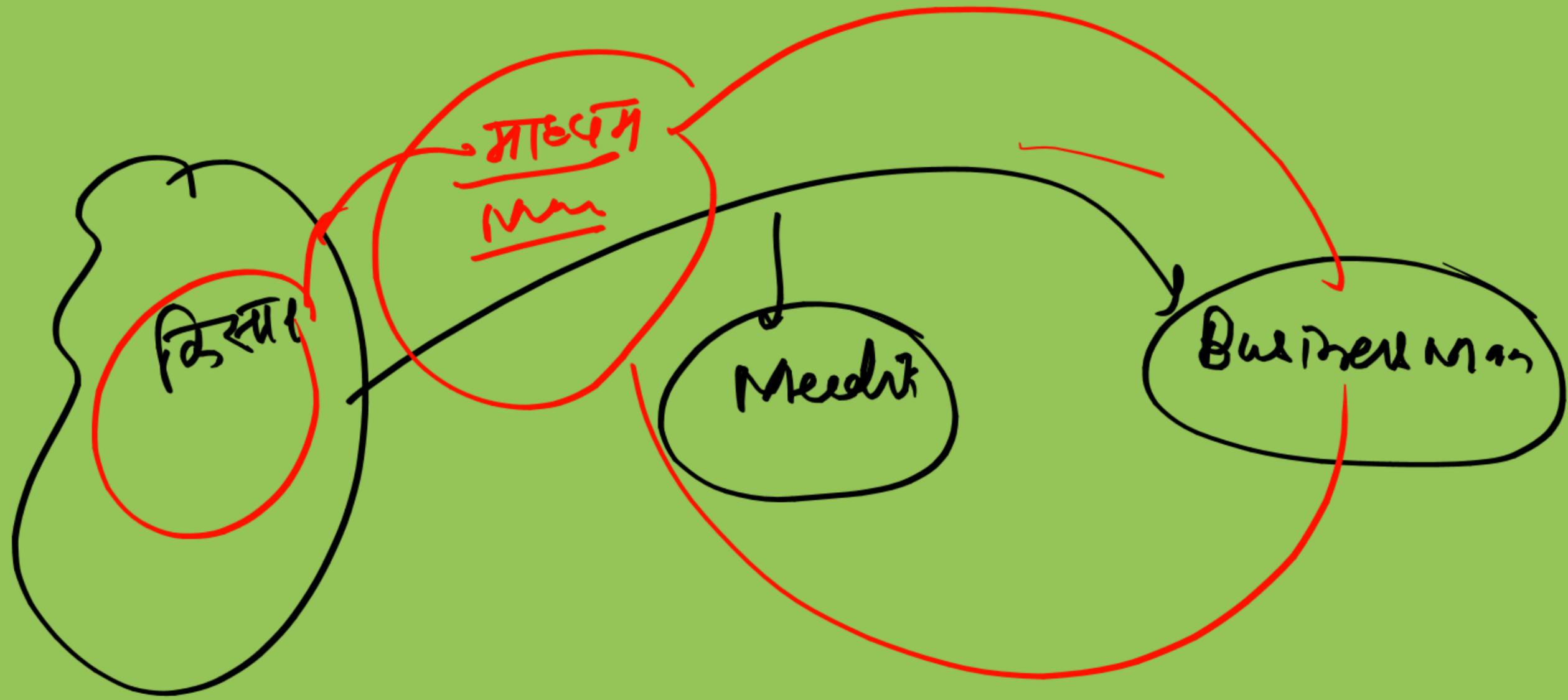
### Local media

Recognising that the media will not be interested in covering 'small' issues that involve ordinary people and their daily lives, several local groups have come forward to start their own media. Several people use community radio to tell farmers about the prices of different crops and advise them on the use of seeds and fertilisers. Others make documentary films with fairly cheap and easily available video cameras on real-life conditions faced by different poor communities, and, at times, have even given the poor these video cameras to make films on their own lives.



Another example is a newspaper called *Khabar Lahriya* which is a fortnightly that is run by eight Dalit women in Chitrakoot district in Uttar Pradesh. Written in the local language, *Bundeli*, this eight-page newspaper reports on Dalit issues and cases of violence against women and political corruption. The newspaper reaches farmers, shopkeepers, panchayat members, school teachers and women who have recently learnt to read and write.







प्रजातंत्र के नागरिक के रूप में हमारे जीवन में संचार माध्यम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि संचार माध्यमों के द्वारा ही हम सरकार के कामों से संबंधित विषयों के बारे में सुनते हैं। संचार माध्यम निश्चित करते हैं कि किन बातों पर ध्यान केंद्रित किया जाना है और इस तरह वह एजेंडा निश्चित कर देते हैं। यदि कभी सरकार चाहे, तो संचार माध्यम को किसी घटना की खबर छापने से रोक सकती है। इसे सेंसरशिप कहा जाता है। आजकल संचार माध्यम और व्यापार का घनिष्ठ संबंध होने से प्रायः संतुलित रिपोर्ट का प्रकाश में आना कठिन है। इसे ध्यान में रखते हुए हमारे लिए यह सजगता महत्वपूर्ण है कि समाचार से प्राप्त 'तथ्यात्मक जानकारी' भी प्रायः पूर्ण नहीं होती है और एकपक्षीय हो सकती है। अतः हमें समाचार के विश्लेषण के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछने चाहिए—इस रिपोर्ट से मुझे कौन-सी जानकारी मिल रही है? कौन-सी आवश्यक जानकारी नहीं दी जा रही है? यह लेख किसके दृष्टिकोण से लिखा गया है? किसका दृष्टिकोण छोड़ दिया गया है और क्यों?

As citizens of a democracy, the media has a very important role to play in our lives because it is through the media that we hear about issues related to the working of the government. The media decides what to focus on and in this way it 'sets the agenda'. The government can, at times, prevent the media from publishing a story and this is called censorship. Nowadays, media's close relationship with business often means that a balanced report is difficult to come by. Given this, it is important for us to be aware that the 'factual information' that a news report provides is often not complete and can be one-sided. We, therefore, need to analyse the news by asking the following questions: what is the information I am learning from this report? What information is not being provided? From whose point of view is the article being written? Whose point of view is being left out and why?

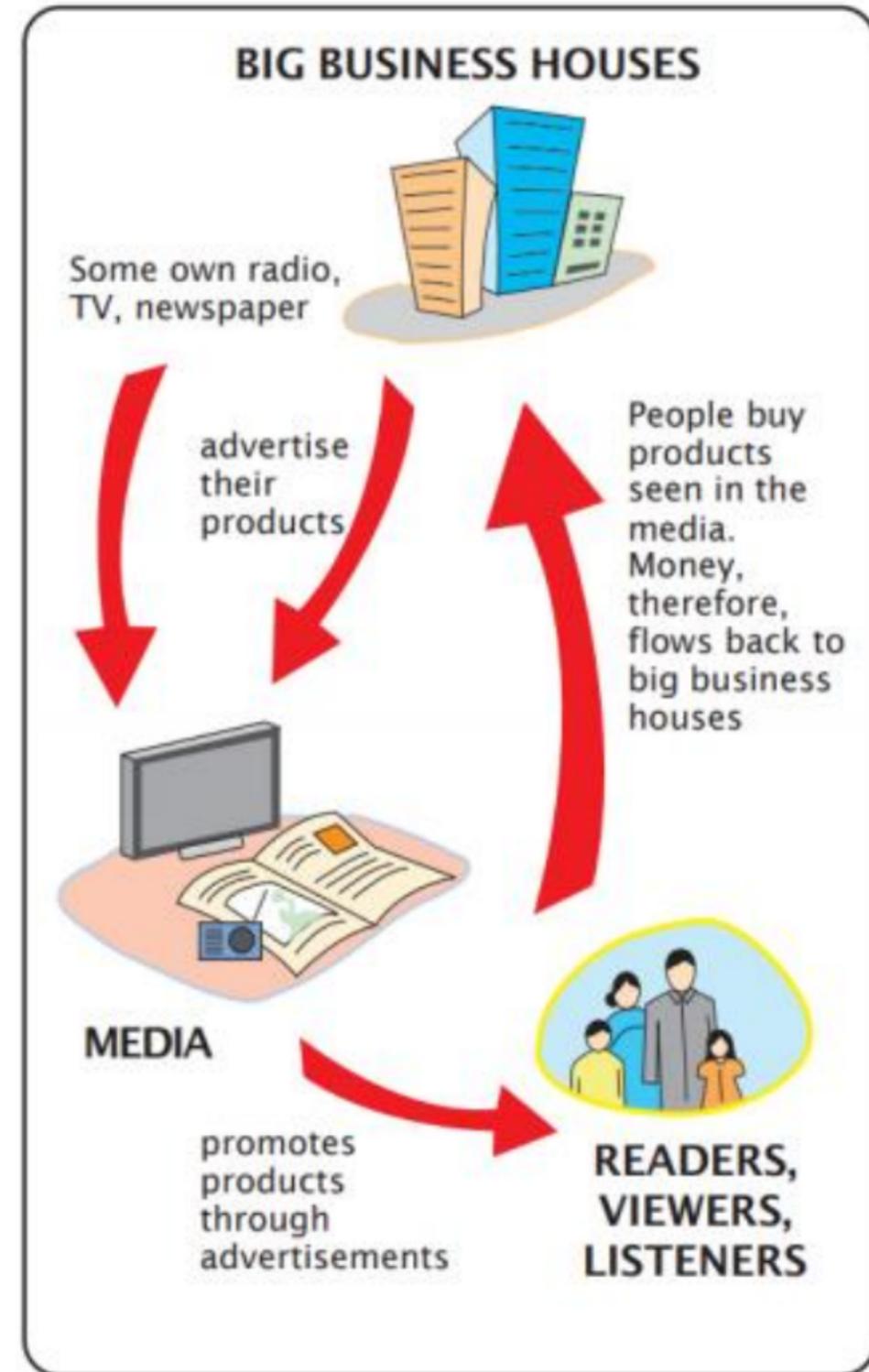
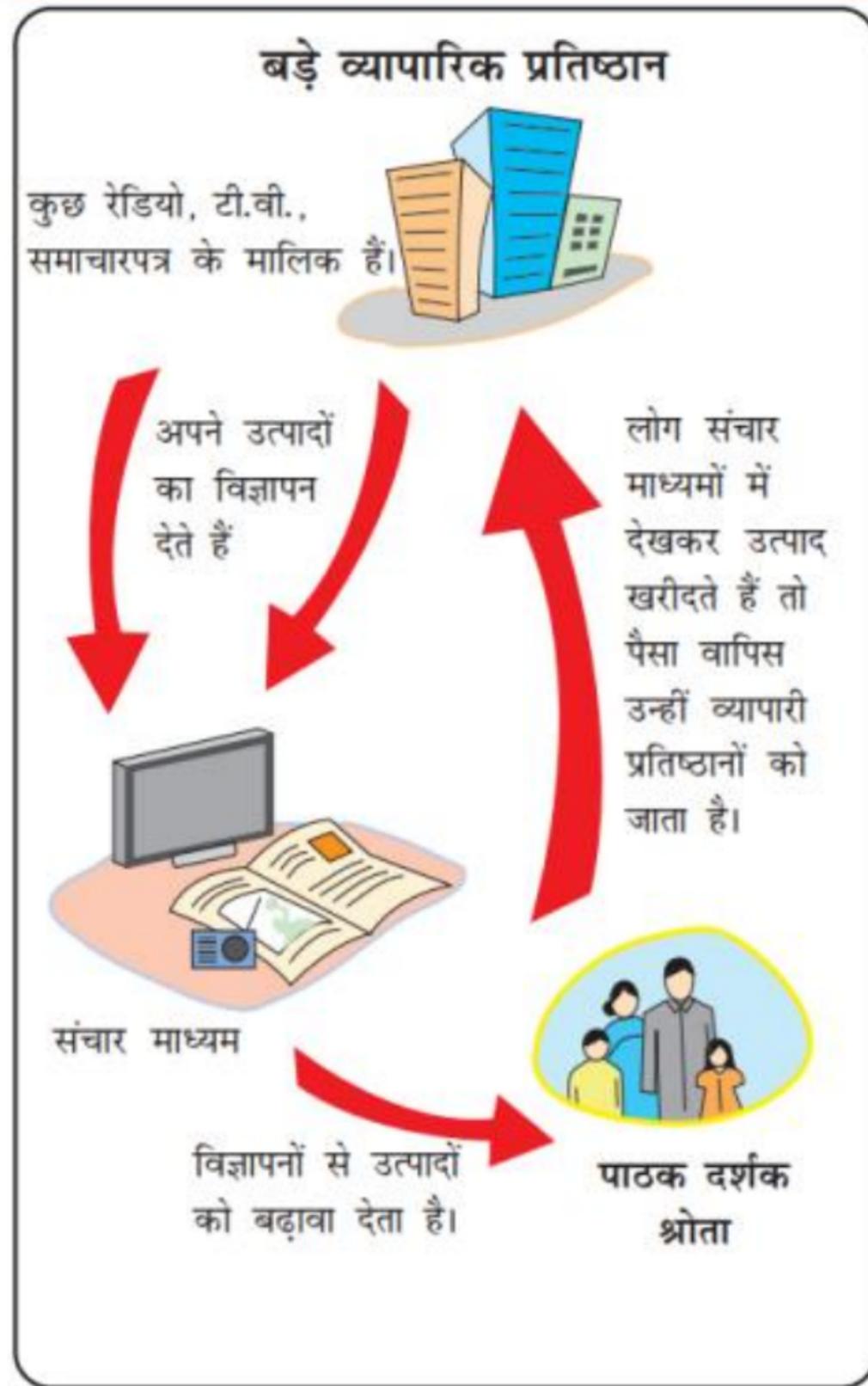


अभ्यास

1. प्रजातंत्र में संचार माध्यम किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं?
2. क्या आप इस रेखाचित्र को एक शीर्षक दे सकते हैं? इस रेखाचित्र से आप संचार माध्यम और बड़े व्यापार के परस्पर संबंध के बारे में क्या समझ पा रहे हैं?
3. आप पढ़ चुके हैं कि संचार माध्यम किस प्रकार एजेंडा बनाते हैं। इनका प्रजातंत्र में क्या प्रभाव पड़ता है? अपने विचारों के पक्ष में दो उदाहरण दीजिए।

EXERCISES

1. In what ways does the media play an important role in a democracy?
2. Can you give this diagram a title? What do you understand about the link between media and big business from this diagram?
3. You have read about the ways in which the media 'sets the agenda'. What kind of effect does this have in a democracy? Provide two examples to support your point of view.



4. कक्षा परियोजना के रूप में समाचारों में से कोई एक शीर्षक चुनकर उस पर ध्यान केंद्रित कीजिए और अन्य समाचारपत्रों में से उससे संबंधित विवरण छाँटिए। दूरदर्शन समाचार पर भी इस विषय पर प्रसारित सामग्री देखिए। दो समाचारपत्रों के विवरण की तुलना करके उनमें समानता और भिन्नता की रिपोर्ट लिखिए। निम्नलिखित प्रश्न पूछना सहायक हो सकता है-

(क) इस लेख में क्या जानकारी दी जा रही है?

(ख) कौन-सी जानकारी इसमें छोड़ दी गई है?

(ग) यह लेख किसके दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर लिखा गया है?

(घ) किसके दृष्टिकोण को छोड़ दिया गया है और क्यों?

4. As a class project, decide to focus on a particular news topic and cut out stories from different newspapers on this. Also watch the coverage of this topic on TV news. Compare two newspapers and write down the similarity and differences in their reports. It might help to ask the following questions-

a. What information is this article providing?

b. What information is it leaving out?

c. From whose point of view is the article being written?

d. Whose point of view is being left out and why?

5. विज्ञापनों के प्रकार के बारे में अकेले, जोड़ी या समूह में प्रोजेक्ट बनाएं। कुछ उत्पादों के बारे में वाणिज्यिक विज्ञापन एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, जल व ऊर्जा को बचाने की ज़रूरत सामाजिक विज्ञापन बनाएं।

5. Create projects individually, in pairs or in groups about types of advertisements. Create commercial advertisements about certain products and social advertisements related to public health, road safety, need to save water and energy.

### शब्द-संकलन

**प्रकाशित** – इससे तात्पर्य समाचार रिपोर्टों, लेखों, साक्षात्कार, विवरण आदि से है, जिन्हें समाचारपत्रों, पत्रिकाओं और पुस्तकों में छापा जाता है; जिससे उन्हें बहुत अधिक लोग पढ़ सकें।

**सेंसरशिप** – इसका तात्पर्य सरकार की उस शक्ति या अधिकार से है जिसके अंतर्गत सरकार कुछ विवरण प्रकाशित करने या प्रदर्शित करने पर रोक लगा सकती है।

**प्रसारण**—इस पाठ में इस शब्द का प्रयोग टी.वी. अथवा रेडियो के कार्यक्रमों के संबंध में हुआ है, जिनको बहुत बड़े क्षेत्र में प्रेषित किया जाता है।

**सार्वजनिक विरोध** – इसमें विशाल संख्या में लोग एकजुट होकर किसी विषय पर खुले रूप में अपना विरोध प्रकट करते हैं। यह प्रायः रैली आयोजन, हस्ताक्षर अभियान तथा सड़कों को अवरुद्ध करके किया जाता है।

## **Glossary**

**Publish:** This refers to newsreports, articles, interviews, stories, etc., that are printed in newspapers, magazines and books for a wide audience to read.

**Censorship:** This refers to the powers that government has to disallow media from publishing or showing certain stories.

**Broadcast:** In this chapter this word is used to refer to a TV or radio programme that is widely transmitted.

**Public protest:** When a large number of people come together and openly state their opposition to some issue. Organising a rally, starting a signature campaign, blocking roads etc. are some of the ways in which this is done.

धन्यवाद